रूपाली की मदमस्त जवानी

“प्रेषक : डिवाइन लवर्स मित्रो, अन्तर्वासना पर यह मेरी दूसरी कहानी है। बात 15 बरस पहले की है, मेरी एक रिश्तेदार रूपाली गाँव से अपनी पढ़ाई के लिए हम लोगों के पास रहने आ गई थी। मैं ग्रेजुएशन में था और उस समय वो इंटर में थी। मेरे पिताजी सरकारी नौकरी में थे, मैं घर […] ...”

Story By: (diwinelovers)
Posted: सोमवार, मार्च 19th, 2012
Categories: रिश्तों में चुदाई
Online version: रूपाली की मदमस्त जवानी

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

रूपाली की मदमस्त जवानी

प्रेषक : डिवाइन लवर्स

मित्रो, अन्तर्वासना पर यह मेरी दूसरी कहानी है। बात 15 बरस पहले की है, मेरी एक रिश्तेदार रूपाली गाँव से अपनी पढ़ाई के लिए हम लोगों के पास रहने आ गई थी। मैं ग्रेजुएशन में था और उस समय वो इंटर में थी। मेरे पिताजी सरकारी नौकरी में थे, मैं घर में मंझला हूँ। मेरी रिश्तेदार मुझसे क़रीब 5 साल छोटी थी।

धीरे धीरे वो मेरी तरफ आकर्षित हो गई क्योंकि मैं बहुत सुन्दर और स्मार्ट था, लड़कियाँ मेरी तरफ़ सहजता से आकर्षित हो जाती थी और मेरे साथ दोस्ती करने की इच्छा रखती थी। मैं उसकी तरफ़ आकर्षित होने लगा था। रूपाली बहुत ही खूबसूरत थी। उसका रंग एकदम गोरा चिट्टा था, उसका कद लगभग 5 फ़ुट 2 इन्च होगा, आँखें एकदम काली और बड़ी बड़ी, मानो हर समय उसकी आँखें कुछ कहना चाहती हों। जब वो आँखों में काजल लगा कर उसकी लाईन साईड में से बाहर निकालती थी तो वो गजब ही ढा देती थी। शरीर 30-24-34 का रहा होगा और देखने में उसका बदन बहुत सेक्सी लगता था। उसके गुलाबी उरोज संतरे जैसे थे, उनका आकर तो छोटा था पर एकदम कठोर और कसे हुए थे।

हमारा मकान काफी बड़ा था, हम दोनों अगल बगल के कमरे में सोते थे। वो आम तौर पर तंग सलवार-कमीज या चूड़ीदार पजामी और कुर्ती पहनती थी, जिसमें उसकी जवानी फ़ूटती सी लगती थी, खास तौर पर तो उसके चूतड़ों के उभार तो मस्त नजर आते थे। कभी कभी वो मेरी बहन का स्कर्ट और टॉप भी पहन लेती थी तो वो छोटी सी लगती थी, उसकी उम्र का तो पता ही नहीं चलता था।

एक दिन घर के गलियारे में मैंने उसके स्तन को छुआ तो उसने थोड़ा विरोध किया मैंने

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

तुरत अपना हाथ हटा लिया।

रात को मैंने फिर मैंने एक बार फिर कोशिश की लेकिन फिर से उसने मेरा हाथ हटा दिया मगर कुछ बोली नहीं।

अगले दिन दोपहर में उसके कमरे में मैंने फिर से कोशिश की, इस बार मैंने उसके दोनों स्तनों को थोड़ा ज़ोर से दबाया। किसी को आसपास ना देख इस बार उसकी थोड़ी सहमति थी। मैंने धीरे धीरे उसके उरोजों को कमीज और काली ब्रा से आजाद किया। शायद उसे भी आनन्द आ रहा था। फिर मैंने उसकी चूचियों को चूसना आरम्भ कर दिया। उसके गुलाबी उरोजों के निप्पल अब पूरी तरह से कड़क हो चुके थे। वो पूरी तरह से गरम हो चुकी थी। मैंने उसको बोला- मेरे लण्ड को चूसो।

वो बोली- नहीं, वो गन्दा लगता है।

मेरे समझाने पर उसने लण्ड को थोड़ा सा चूसा, दो-तीन बार समझाने पर उसने लण्ड को मुँह में ले लिया, उसके चूसते चूसते कुछ मिनट में मैं झड़ गया। मेरा सारा माल उसके मुख मैं गिर गया था। उसने सब नीचे थूक दिया।

मैं उसकी सलवार उतारने लगा तो वो डर गई, बोली- अभी घर में सब अपने कमरों में हैं, किसी को पता चल गया तो क्या होगा।

तब मैंने कहा- किसी को पता नहीं चलेगा। तुम साथ दो तो कुछ नहीं होगा।

फिर उसने हामी नहीं भरी तो उस दिन ज्यादा कुछ नहीं हुआ।

अब हम लोग घर में किसी के नहीं रहने का इंतज़ार करने लगे और यह मौक़ा भी हमें जल्द ही मिल गया।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

छुट्टी का दिन था, मेरी माँ और बहन पड़ोसी की शादी की खरीदी करवाने उनके साथ बाज़ार गई थी, पापा अपने आफिस और हम दोनों घर में अकेले थे। तब मैंने सोचा कि क्यों ना आज अपनी मंजिल पा लें !

उनके जाते ही मैं उसके कमरे पहुँच गया, वो अपने कपड़े जमा रही थी। मैंने उसे बाहों में भरते हुए कहा- मैं तुम्हारा हुस्न देखना चाहता हूँ !

उसने पहले तो मना किया फिर थोड़ी देर में मुझे ग्रीन सिग्नल मिल गया और फिर मैंने धीरे से से उसके कुर्ते को ऊपर किया और उसकी ब्रा खोलते ही दो गोल गोल संतरे मेरे सामने थे। मैंने अपने दोनों हाथों से उनको दबाना शुरू कर दिया। उसे भी अच्छा लग रहा था और वो ज़्यादा ही उत्तेजित हो रही थी।

मेरा मन उसको चोदने को करने लगा।

मैंने कहा- ये सब काफ़ी हो गया, क्यों ना अब चुदाई मज़ा लिया जाए, जो हर आदमी और औरत की ज़रूरत है।

तो उसने कहा- इसमें कोई खतरा तो नहीं है ?

मैंने कहा- नहीं, कन्डोम के साथ चुदाई करेंगे।

मगर पता नहीं उसे काफ़ी डर लग रहा था और हिम्मत नहीं जुटा पा रही थी। काफ़ी समझाने के बाद उसे विश्वास हो गया तो उसने उसने दबी ज़ुबान में हाँ कही।

फिर मैंने प्यार से उसकी सलवार को खोला, अब वो काली पैंटी में मेरे सामने थी, उसका बदन तो मानो अप्सरा का बदन लग रहा था और वो शरमा बहुत रही थी। उसका दूधिया बदन टचूब लाईट में चांदी की तरह चमक रहा था।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

अब मुझे अपने ऊपर संयम रखना मुश्किल होने लगा, मैंने उसका पूरा बदन चाटना आरम्भ कर दिया, वो अपने चेहरे को अपने हाथों से ढके हुई थी।

मैंने अपने कपड़े उतारे और उसके संतरे अपने मुँह में लेकर चूसना शुरू किया। यह अहसास उसे अच्छा लग रहा था और वो उत्तेजित हो रही थी और मैं भी अब काफ़ी उत्तेजित हो गया था।

फिर मैंने उसके पैंटी को उतार दिया, अब मेरे सामने बिना बालों की छोटी सी चीज़ नज़र आ रही थी। अभी तक मैंने उसको ऐसे नहीं देखा था। फिर मैंने उसकी बिना बाल की योनि को चाटा और अपने लंड को उसके मुंह में दे दिया।

उसने मेरे लंड को चूसना शुरू कर दिया, मैं तो मानो सातवें आसमान में सैर कर रहा था। उस अहसास का बयान मैं नहीं कर सकता कि मैं कैसा महसूस कर रहा था।

उसके चूसने से मेरा लंड काफ़ी कड़ा हो गया, फ़िर मैंने उसे चूत पर धीरे धीरे रगड़ना शुरू किया। वो काफ़ी उत्तेजित हो रही थी। मेरा छः इन्च का लण्ड तैयार था उसे चोदने को ! लण्ड फ़ड़फ़ड़ा रहा था, वो भी पूरी तरह से चुदने के लिये तैयार थी।

वो भी बहुत गर्म हो रही थी, उसे भी मज़ा आने लगा था, मैंने अपने लण्ड का सुपारा धीरे धीरे अन्दर करना शुरू किया। पहली बार किसी मर्द का लंड उसकी चूत में जा रहा था। कुँवारी होने लंड उसके चूत अन्दर नहीं सरक रहा था !

उसने कहा- ऐसा करो, पहले अपनी उंगली उसमें डालो…

मैंने उसकी गर्म हो चुकी चूत को हाथ से मसला, फिर धीरे से अपनी एक अंगुली उसकी चूत में डालकर अन्दर-बाहर करने लगा।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

वो पूरी तरह से गीली हो चुकी थी और चिपचिपा रही थी। मैंने फिर अपना लंड उसके चूत में डाला और जोर से एक ही बार में अन्दर धकेल दिया…

वो जोर के दर्द से चिल्ला उठी- …आ आह आई आआ !

मैं घबरा गया… मैंने कहा- ऐसे क्यों चिल्ला रही हो ? थोड़ा दर्द तो होगा ही !!

मैं उसके होंठों को अपने होंठों से दबाना भूल गया था तो मैंने फ़ौरन हाथ उसके होंठ पर रख दिया और चीख घुट कर रह गई।

मैं 5-7 मिनट यूँ ही उसके ऊपर पड़ा रहा और कभी उसकी चूचियाँ चूसता तो कभी होंठ चूसता या फिर हाथों को उसकी जांघों पर फेरता जिससे कि रूपाली को कुछ आराम मिल सके।

उसने कहा- प्लीज़ धीरे-धीरे करो, बहुत दर्द हो रहा है..

मैंने उसकी तकलीफ़ को समझते हुए धीरे धीरे लंड को बाहर निकाला फिर मैं पहले धीरे-धीरे, फिर जोर-जोर से झटके मारने लगा…

अब तो उसे भी मज़ा आने लगा और थोड़ा ऊऊऊ आआआ ईईई के आवाज़ के साथ वो पूरा मज़ा लेना चाहती थी..

थोड़ी देर बाद रूपाली झड़ गई और मैं अभी तक डटा हुआ था और पूरी गति से धक्के मार रहा था। मैं पूरा का पूरा पसीने पसीने हो गया लेकिन धक्के लगाता ही रहा। लगभग दस मिनट तक धक्के मारने के बाद मुझे लगा कि अब मैं भी झड़ने वाला हूँ।

मैंने उसे बताया तो रूपाली एकदम बोली- अपना बाहर निकाल लो, इसे अन्दर नहीं करना है, वरना गड़बड़ हो सकती है।

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

मैंने फ़ौरन ही लण्ड को चूत से बाहर निकाल लिया, रूपाली से कहा- हाथ से तेजी के साथ लण्ड को आगे पीछे कर !

तो उसने ऐसा ही करना शुरु कर दिया और मैं उसके होंठ बहुत ही ज़ोर जोर से चूसने लगा और एक हाथ से उसकी चूचियाँ दबाता रहा तो दूसरा हाथ उसके चूतड़ों पर फेरने लगा।

रूपाली तेजी के साथ लण्ड को झटके देने लगी और मैं झड़ गया। हम लोगों ने उस दिन क़रीब दो घंटे तक जवानी का मज़ा लिया लेकिन इसके बाद हम दोनों की चाहत बढ़ती गई और हम लोग रात में भी यह काम सबसे बचते हुए करने लगे और घर में कोई ना हो तो फिर क्या कहना।

कहानी अच्छी लगी या बुरी, प्लीज मुझे अपनी प्रतिक्रिया जरूर मेल कीजिये !

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

Other stories you may be interested in

स्कूल में चुत चुदाई के बाद चाचा ने मेरी चुत चोदी

अन्तर्वासना सेक्स स्टोरीज पढ़ने वाले मेरे प्यार दोस्तो, अपनी सखी प्रिया का नमस्कार स्वीकार कीजिए। अभी मैं 24 वर्ष की हूँ, मेरा रंग गोरा.. चूचे 36″ के और कमर 28″ की है और चुत चिकनी फ़ूली हुई है। यह मेरी […]

Full Story >>>

भाई की साली छत पर चुद गई

अन्तर्वासना सेक्स स्टोरी के पाठकों को रमेश के खड़े लंड से नमस्कार! मैं जयपुर से हूँ, मेरी लंबाई 5 फुट 5 इंच की है और लंड का साइज भी लंबा और मोटा है। यह अन्तर्वासना पर मेरी पहली कहानी है। […]

Full Story >>>

अनोखी चूत चुदाई के बाद-4

'योनि नहीं, कोई दूसरा नाम बताओ इसका, तभी घुसाऊँगा लंड!' मैंने उसे और तंग किया फिर उसके भगांकुर को होंठों में लेकर चुभलाने लगा। 'उफ्फ पापा जी, आप और कितना बेशर्म बनाओगे मुझे आज… लो मेरी चूत में पेल दो […]

Full Story >>>

अनोखी चूत चुदाई के बाद-3

टाइम ग्यारह से ज्यादा हो गया, मैं ऊपर वाली कोठरी में जाकर लेट गया। 'अदिति आएगी?' यह प्रश्न मन में उठा, साथ में मैंने अपनी चड्डी में हाथ घुसा कर लंड को सहलाया। 'जरूर आयेगी… जब उसे कल की चुदाई […]

Full Story >>>

अनोखी चूत चुदाई के बाद-2

'देखो, घबराओ मत, तुम्हारी चिन्ता का कारण मुझे पता है, तुम किसी भी बात की चिन्ता फिकर मत करो।' 'कौन सी चिन्ता पापा? मुझे कोई टेंशन नहीं है!' 'देखो अदिति बेटा, मुझे सब पता है कि तुझे किस बात का […]

Full Story >>>

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

Other sites in IPE

Bangla Choti Kahini

বাংলা ভাষায় নুতন বাংলা চটি গল্প, বাংলা ফন্টে বাংলাদেশী সেক্স ষ্টোরি, বাংলা পানু গল্প ও বাংলা চোদাচুদির গল্প সংগ্রহ নিয়ে হাজির বাংলা চটি কাহিনী

Pinay Sex Stories

Araw-araw may bagong sex story at mga pantasya.

Suck Sex

Suck Sex is the Biggest & most complete Indian Sex Magazine for Indian Sex stories, porn videos and sex photos. You will find the real desi actions in our Indian tubes, lusty stories are for your entertainment and high resolution pictures for the near vision of the sex action. Watch out for desi girls, aunties, scandals and more and IT IS ABOLUTELY FREE!

Savita Bhabhi Movie

Savita Bhabhi Movie is India's first ever animated movie. It takes us a on a journey thru time, a lot of super hot sex scenes and Savita Bhabhi's mission to bring down a corrupt minister planning to put internet censorship on the people.

Tamil Kamaveri

சூடு ஏத்தும் தமிழ் செக்ஸ் கதைகள் , தமிழ் லெஸ்பியன் கதைகள் , தமிழ் குடும்ப செக்ஸ் கதைகள் , தமிழ் ஆண் ஓரின சேர்க்கை கதைகள் , தமிழ் கள்ள காதல் செக்ஸ் கதைகள் , படிக்க எங்கள் தமிழ்காமவெறி தளத்தை விசிட் செய்யவும் . மேலும் நீங்கள் உங்கள் கதைகளை பதிவு செய்யலாம் மற்றும் செக்ஸ் சந்தேகம் சம்பந்தமான செய்திகளும் படிக்கலாம்

IndianPornVideos.com

Indian porn videos is India's biggest porn video tube site. Watch and download free streaming Indian porn videos here.

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire